सत्यमेव जयते
भारत सरकार

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के

11 साल

बैंक खाता ही नहीं, ये है स्वाभिमान भी...

- **56+ करोड़ गरीबों के जन-धन बैंक खाते खुले**, तो वे भी बने बैंकिंग सिस्टम का हिस्सा
- **₹2.6 लाख करोड़** की राशि **जन-धन खातों में जमा** हुई, तो देश ने गर्व से देखी गरीबों की अमीरी
- **99.9% गांवों तक पहुंचीं बैंकिंग सेवाएं;** हर **3 में से 2 खाते गांव-कस्बों में** और **56% खाते महिलाओं के नाम पर**
- **JAM** (जन-धन, आधार और मोबाइल) की ट्रिनिटी से **10+ करोड़ फर्जी लाभार्थी सिस्टम से हटे** तो **₹4.3 लाख करोड़ की बचत हुई**
- **DBT** से **₹45 लाख करोड़** सीधे **असली लाभार्थियों के खातों में पहुंचे**, और बिचौलियों से सिस्टम को छुटकारा मिला
- सदी की सबसे बड़ी महामारी के समय जन-धन बना सुरक्षा कवच; जरूरतमंद **महिलाओं के जन-धन खातों में ₹31,000 करोड़ की मदद भारत सरकार** से मिली
- **जन-धन** ने पहली बार करोड़ों गरीबों को **RuPay डेबिट कार्ड, बीमा, लोन, UPI** जैसी बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ा

अब गरीब का अधिकार कोई नहीं खाता,
क्योंकि उनके पास है जन-धन बैंक खाता